

//-- सुविवार --//

रिश्ते निमाने के लिए बुद्धि नही, दिल की शुद्धि होनी चाहिए। सत्य कहे, सपष्ट कहे, सम्मुख कहे, जो अपना हुआ तो समझेगा, जो पराया हुआ वो छूटेगा।

आज

बेबाक

लखनऊ का नवाब बनने टीपू ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। उनका दावा है कि दो चरण के मतदान में ही समाजवादी पार्टी का शतक बन गया है। यह अलग बात है कि खुद अपने निर्वाचन क्षेत्र करहल में उनके गस-बल निकल रहे हैं। अपने पक्ष में चुनाव प्रचार के लिए उन्होंने अपने बीमार पिताजी को भी मैदान में उतार दिया। नेताजी ने चुनावी सभा को संबोधित किया लेकिन अखिलेश यादव को बोट देने की अपील करना भी भूल गए। चाचा शिवपाल भी खींचे-खींचे रहे। ऐसे में सायकल कहीं कागज की नांव न बन जाए।

सूर्योदय

उदय : 6:22 प्रातः

अस्त : 5:38 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,928,233,490

भारत: 1,402,589,510

बाजार

संसेक्स : अवकाश

निफ्टी: अवकाश

गोल्ड : 50,190 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 64,000 प्रति किग्रा

अण्डा दर: 4.41 प्रति नग

आज का दिवस

विश्व सामाजिक न्याय दिवस : हर साल 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस पूरी दुनिया में मनाया जाता है। साल 1995 में कोपेनहेगन, डेन्मार्क में सोशल डेवलपमेंट के लिए विश्व शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। 26 नवंबर, 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने कोपेनहेगन में हुए इस शिखर सम्मेलन के लक्ष्यों को पुनः कटने के लिए 20 फरवरी को विश्व सामाजिक न्याय दिवस के रूप में नामित किया था। विश्व सामाजिक न्याय दिवस के उद्देश्यों को पूरा करने के महकदम से संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय एक साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय श्रम कार्यालय द्वारा लोगों के बीच इस दिन के महत्व को फैलाने के लिए कई कार्य किए जा रहे हैं।

वरिष्ठ पत्रकार रवीश तिवारी का निधन

नई दिल्ली (ए.)। वरिष्ठ पत्रकार और इंडियन एक्सप्रेस के राष्ट्रीय ब्यूरो प्रमुख रवीश तिवारी का निधन हो गया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिवारी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति ने ट्वीट कर कहा, 'रवीश तिवारी के लिए पत्रकारिता एक जुनून था। उन्होंने इसे आकर्षक व्यवसायों पर चुनाव। उनके पास रिपोर्टिंग और तीक्ष्ण कमेंट्री के लिए एक गहरी आदत थी। उनका अचानक और चौकाने वाला निधन मीडिया में एक अलग आवाज को दबा दिया।

गरमा-गरम

वादा तेरा वादा ! चुनावी घोषणा पूरी नहीं की तो रहूँ दो पार्टियों को मानना, सुप्रीम कोर्ट से गुहार

पूरे कैसे करोगे इतने वायदे?

दैनिक

आदिवासी तमसः परमस्य

प्रदेश के साथ पूरा देश...

नवप्रदेश

अंदर के पृष्ठों पर 3 | आंचलिक 4 | अभिव्यक्ति 5 | आंचलिक 7 | छत्तीसगढ़

RNI NO.MPHIN/2017/72749

भोपाल, रविवार 20 फरवरी 2022, कृष्ण पक्ष चतुर्थी, विक्रम संवत्-2078 वर्ष-05 अंक-285 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए

भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर, व रांची से एक साथ प्रकाशित

रोहित कमान, पुजारा-रहाणे की छुट्टी

बीसीसीआई ने किया श्रीलंका के खिलाफ टीम का ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने शनिवार को श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी20 और टेस्ट सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। रोहित शर्मा को टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है, वहीं विराट कोहली और ऋषभ पंत को टी20 सीरीज के लिए

आराम दिया गया है। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में चोटिल होने की वजह से बाहर है। वहीं टेस्ट स्पेशलिस्ट चेतेश्वर पुजारा व अंजविय रहाणे की छुट्टी हो गई है। श्रीलंका का भारत दौरा 24 फरवरी से शुरू हो रहा है। दौर पर पहले तीन मैच की टी20 सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मुकामला लखनऊ में होगा, वहीं अगले दो मैचों की मेजबानी धर्मशाला शेष पृष्ठ 7 पर

भारत ड्रोन के क्षेत्र में पूरी दुनिया को नया नेतृत्व देगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि देश में स्टार्टअप का एक नया इकोसिस्टम तैयार हो रहा है और बहुत जल्द इनकी संख्या हजारों में पहुंच जाएगी तथा आने वाले समय में भारत ड्रोन के क्षेत्र में पूरी दुनिया को एक नया नेतृत्व देगा। गरुड एयरोस्पेस द्वारा 108 किसान ड्रोन की उड़ान के मौके पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, भारत में ड्रोन स्टार्ट-अप का एक नया इको सिस्टम तैयार हो रहा है। अभी देश में 200 से ज्यादा ड्रोन स्टार्ट-अप काम कर रहे हैं। बहुत जल्द ही इनकी संख्या हजारों में पहुंच जाएगी। इससे रोजगार के भी लाखों नए अवसर खुलेंगे। मुझे विश्वास है आने वाले समय में भारत का ये बढ़ता समर्थ्य पूरी दुनिया को ड्रोन के क्षेत्र में नया नेतृत्व देगा।

उन्होंने कहा कि देश में जो स्टार्ट-अप की दुनिया खड़ी हुई है उसका श्रेय नौजवानों को जाता है जो जोखिम लेकर यह काम कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं को आश्वासन करते हुए कहा, भारत सरकार नीतियों के द्वारा लगातार आपके



साथ रहकर के, कंधे से कंधा मिलाकर के आपको आगे बढ़ने में कोई रुकावट नहीं आने देगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर नीतियां सही हों तो देश कितनी ऊंची उड़ान भर सकता है, आज का दिन इसका बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि किसान ड्रोन 21वीं सदी की आधुनिक कृषि व्यवस्था की दिशा में एक नया अध्याय है। मुझे विश्वास है ये शुरुआत न केवल ड्रोन सेक्टर के विकास में मील का पत्थर साबित होगी बल्कि इसमें संभावनाओं का एक अंत आकाश भी खुलेगा। मुझे भी बताया गया है, कि गरुड एयरोस्पेस ने

अवध, लखनऊ फिर अयोध्या... अगले 3 चरण तय करेंगे, यूपी में किस करवट बैठेगा ऊंट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश तीसरे, चौथे और पांचवे चरण की वोटिंग की ओर जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, सभी की नजरें अवध पर टिकी हैं, जिसे उत्तर प्रदेश का हार्टलैंड कहा जाता है। पहले दो चरणों में कथित तौर पर सपा से कड़ी टक्कर का सामना करने के बाद भारतीय जनता पार्टी इन तीनों चरणों को भुनाने की भरपूर कोशिश करेगी। ये इलाके राजनैतिक रूप से भारतीय जनता पार्टी के अनुकूल भी हैं। तीसरे, चौथे और पांचवे चरण की

179 सीटों के लिए वोटिंग 20 फरवरी से शुरू हो जाएगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का दोआब, अवध और बुंदेलखंड-भौगोलिक रूप से तीन अलग-अलग इलाकों में बंटे इस क्षेत्र में मैनपुरी की यादव पट्टी भी शामिल है। एटा, फर्रुखाबाद, कन्नौज और इटावा में सपा का अच्छा-खासा प्रभाव माना जाता है। फिर भी पिछले चुनाव में यहां समाजवादी पार्टी का प्रदर्शन शेष पृष्ठ 7 पर

पीएम मोदी से अफगानी डेलीगेशन ने की मुलाकात, सीएफ के मुद्दे पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 7 लोक कल्याण मार्ग पर अफगानिस्तान से सिख-हिंदू प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों से मुलाकात की। उन्होंने प्रधानमंत्री को सम्मानित किया और अफगानिस्तान से सिखों और हिंदुओं को सुरक्षित रूप से भारत लाने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। पीएम ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया और कहा कि वे मेहमान नहीं हैं बल्कि अपने घर में हैं, भारत उनका घर है। उन्होंने अफगानिस्तान में उनके सामने आने वाली भारी कठिनाइयों और उन्हें सुरक्षित भारत लाने के लिए सरकार द्वारा प्रदान की गई मदद के बारे में बात की। इसी दौरान, उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम के महत्व और समुदाय के लिए इसके लाभों के बारे में भी बात की। उन्होंने भविष्य में भी उनके सामने आने वाले सभी मुद्दों और कठिनाइयों को हल करने के लिए उन्हें निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि यह समय देश के युवाओं का है और पिछले कुछ वर्षों में जो सुधार हुए हैं उनसे युवाओं और निजी क्षेत्र को नयी ताकत मिली है। उन्होंने कहा कि बजट में प्रौद्योगिकी और नवाचार को प्राथमिकता दी गयी है। इसका परिणाम कि ड्रोन का विविध इस्तेमाल होने लगा है।

सरकार की मंशा शहरों को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त कराने की : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट का किया लोकार्पण

प्रधानमंत्री मोदी की सर्कुलर इकोनामी और वेस्ट टू वेल्थ परिकल्पना को मध्यप्रदेश ने दिया मूर्त रूप -मुख्यमंत्री चौहान

प्रधानमंत्री के स्वच्छता संकल्प को चरितार्थ करेगा मध्यप्रदेश - मुख्यमंत्री चौहान

मुख्यमंत्री चौहान और उनकी टीम ने कम समय में बड़ा काम कर दिखाया

इंदौर की बहनों का कूड़ा प्रबंधन अनुकरणीय

मुख्यमंत्री चौहान और उनकी टीम ने कम समय में बड़ा काम कर दिखाया

इंदौर की बहनों का कूड़ा प्रबंधन अनुकरणीय

सर्कुलर इकोनामी तथा वेस्ट टू वेल्थ के सिद्धांतों के अनुरूप है इंदौर का प्लांट -केंद्रीय मंत्री पुरी

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि आज से चार वर्ष पहले जब मैं इंदौर में एक कॉन्फ्रेंस के लिए आया था तब जापान से शामिल हुए मंत्री से चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि इंदौर शहर में उन्होंने बहुत कुछ देखा पर कचरा नहीं देखा। इंदौर भारत का सबसे स्वच्छ शहर है इसमें कोई दो राय नहीं है। लगातार 5 वर्षों से स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम आकर इंदौर ने देश में कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि इंदौर देश का पहला शहर था, जिसे वाटर प्लास स्टेटस प्रमाणित किया गया। इंदौर की शानदार सफलता का श्रेय प्रदेश की सरकार को जाता है। प्रदेश के अन्य शहर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, देवास, सिंगरोली, बुरखानपुर और राजगं ? ने भी स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा वेस्ट-टू-वेल्थ के सिद्धांत पर जोर दिया जाता रहा है, इसलिए इंदौर का यह बायो सीएनजी प्लांट हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

शहर देश के अन्य शहरों को इस क्षेत्र में भी प्रेरणा देगा। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और उनकी टीम ने बड़ा काम कर दिखाया है। प्रधानमंत्री मोदी दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से इंदौर में गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट का लोकार्पण कर रहे थे। मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, केंद्रीय, सामाजिक न्याय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर,

राज्य शासन के मंत्री, सांसद, विधायक सहित जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर की बहनों ने कूड़ा प्रबंधन का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कूड़े को 6 हिस्सों में अलग-अलग बाँट कर उसका निस्तारण किया है। यह री-साइक्लिंग संस्कार, देश की बड़ी सेवा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर के सफाईकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कोरोना शेष पृष्ठ 7 पर

पशु तस्करी के सरगना मोहम्मद इनामुल हक को ईडी ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (ए.)। प्रवर्तन निदेशालय ने पशु तस्करी के मामले में मोहम्मद इनामुल हक को गिरफ्तार किया है। उसे शनिवार को दिल्ली कोर्ट में पेश किया जाएगा। हक को पहले भी भारत-बांग्लादेश सीमा पर पशु तस्करी के मामलों में सलिसता के लिए गिरफ्तार और हिरासत में लिया जा चुका है। इससे पहले जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने हक को जमानत दे दी थी। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी की पीठ ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा

बल के कमांडेंट की मदद से भारत-बांग्लादेश सीमा पर मवेशियों की तस्करी से जुड़े मामलों में हक को जमानत दे दी थी। यह आरोप लगाया गया था कि भारत-बांग्लादेश सीमा के माध्यम से मवेशियों की तस्करी हक के कहने पर की गई थी और उसने व्यापार में सुविधा के लिए सुरक्षा कर्मियों को रिश्वत दी थी। सीबीआई भी हक को कर चुकी है गिरफ्तार: इससे पहले सीबीआई ने भी हक को गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने यह पाया था कि उसने शेष पृष्ठ 7 पर

वैक्सीन लगवाने के 90 दिन बाद हुआ कोरोना तो आपको बिना टीका का माना जाएगा

WHO ने जारी किए और भी कई गाइडलाइंस

नई दिल्ली (ए.)। अगर आपको टीका लगवाए तीन महीने से अधिक समय बीत चुका है तो संक्रमण के प्रति लापरवाह रवैया खतरनाक साबित हो सकता है। डब्ल्यूएचओ ने ताजा दिशानिर्देश में कहा है कि अगर संक्रमित मरीज के संपर्क में आने वाला कोई व्यक्ति 90 दिन पहले दोनों डोज लगवा चुका था तो उसे टीकारहित माना जाए। यानी ऐसे संभावित संक्रमित व्यक्ति के इलाज को लेकर सरकारों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है क्योंकि इस अवधि के बाद टीके से मिलने वाली प्रतिरक्षा कमजोर

हो जाती है। पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमण के कमजोर पड़ने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अपने दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। वैश्विक निकाय ने जो नए प्रोटोकॉल जारी किए हैं, उनसे यही परिलक्षित हो रहा है कि टीका लगवाने के तीन महीने बाद शरीर की प्रतिरक्षा में गिरावट होगी। यानी इस तरह दुनिया की टीका लगवा चुकी एक शेष पृष्ठ 7 पर

हाल में टीका लेने वाले कम खतरे में डब्ल्यूएचओ ने अपने ताजा दिशानिर्देश में कहा कि हाल में जिन लोगों ने कोरोना रोकथी टीका लिया है, उन्हें संक्रमण जोखिम की श्रेणी में कम खतरे वाला माना जाए। अगर जिन लोगों ने 90 दिनों से ज्यादा समय पहले टीका लगाया है, उन्हें जोखिम प्राथमिकता श्रेणी में ऊपर रखना होगा क्योंकि उनके शरीर की प्रतिरक्षा समय के साथ घटी होगी। डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा कि अगर टीका लगवा चुके लोग किसी संक्रमित के संपर्क में आ जाते हैं तो उन्हें टीकारहित माना जाएगा ।



वे एक सन्यासी तथा एक चिन्तक थे, उन्होंने वेदों की सत्ता को सदा सर्वोपरि माना, 'वेदों की ओर लौटो' यह उनका प्रमुख नारा था

समाज सुधार के कार्य

महर्षि दयानन्द ने तत्कालीन समाज में व्याप्त सामाजिक कुरीतियों तथा अन्धविश्वासों और रूढ़ियों-बुराइयों व पाखण्डों का खण्डन व विरोध किया, जिससे वे 'सन्यासी योद्धा' कहलाए। उन्होंने जन्मना जाति का विरोध किया तथा कर्म के आधार पर वेदानुकूल वर्ण-निर्धारण की बात कही। वे दलितोंद्वारे के पक्षधर थे। उन्होंने स्त्रियों की शिक्षा के लिए प्रबल आन्दोलन चलाया। उन्होंने बाल विवाह तथा सती प्रथा का निषेध किया तथा विधवा विवाह का समर्थन किया। उन्होंने ईश्वर को सृष्टि का निमित्त कारण तथा प्रकृति को अनादि तथा शाश्वत माना। वे तैत्तिरीय के समर्थक थे। उनके दार्शनिक विचार वेदानुकूल थे। उन्होंने यह भी माना कि जीव कर्म करने में स्वतन्त्र है तथा फल भोगने में परतन्त्र है। महर्षि दयानन्द



सभी धर्मान्यायियों को एक मंच पर लाकर एकता स्थापित करने के लिए प्रयत्नशील थे। उन्होंने दिल्ली दरबार के समय 1878 में ऐसा प्रयास किया था। उनके अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश, संस्कार विधि और ऋग्वेदादि भाष्यभूमिका में उनके मौलिक विचार सुस्पष्ट रूप में प्राप्य हैं। वे योगी थे तथा प्राणायाम पर उनका विशेष बल था। वे सामाजिक पुनर्गठन में सभी वर्गों तथा स्त्रियों की भागीदारी के पक्षधर थे। राष्ट्रीय जागरण की दिशा में उन्होंने सामाजिक क्रान्ति तथा आध्यात्मिक पुनरुत्थान के मार्ग को अपनाया। उनकी शिक्षा सम्बन्धी धारणाओं में प्रदर्शित दूरदर्शिता, देशभक्ति तथा व्यवहारिकता पूर्णतया प्रासंगिक तथा युगानुकूल है। महर्षि दयानन्द समाज सुधारक तथा धार्मिक पुनर्जागरण के प्रवर्तक तो थे ही, वे प्रचण्ड राष्ट्रवादी तथा राजनैतिक आदर्शवादी भी थे। विदेशियों का आर्यावर्त में राज्य होने का सबसे बड़ा कारण आलस्य, प्रमाद, आपस का वैमनस्य (आपस की पूँट), मतभेद, ब्रह्मचर्य का सेवन न करना, विधान पढना-पढाना व बाल्यावस्था में अस्वयंवरविवाह, विषयासक्ति, मिथ्या भाषावाद, कुलक्षण, वेद-विद्या का मिथ्या अर्थ करना आदि कुकर्म हैं। जब आपस में भाई-भाई लड़ते हैं तभी तीसरा विदेशी आकर पंच बन बैठता है। उन्होंने राज्याध्यक्ष तथा शासन की विभिन्न परिषदों एवं समितियों के लिए आवश्यक योग्यताओं को भी गिनाया है। उन्होंने ज्ञान की व्यवस्था ऋषि प्रणीत ग्रन्थों के आधार पर किए जाने का पक्ष लिया।

दयानन्द सरस्वती का जन्म 12 फरवरी 1824 में मोरबी (मुम्बई की मोरवी रियासत) के पास काठियावाड़ क्षेत्र (जिला राजकोट), गुजरात में हुआ था। उनके पिता का नाम करशनजी लालजी तिवारी और माँ का नाम यशोदाबाई था। उनके पिता एक कर-कलेक्टर होने के साथ ब्राह्मण परिवार के एक अमीर, समृद्ध और प्रभावशाली व्यक्ति थे। दयानन्द सरस्वती का असली नाम मूलशंकर था और उनका प्रारम्भिक जीवन बहुत आराम से बीता। आगे चलकर एक पण्डित बनने के लिए वे संस्कृत, वेद, शास्त्रों व अन्य धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन में लग गए।

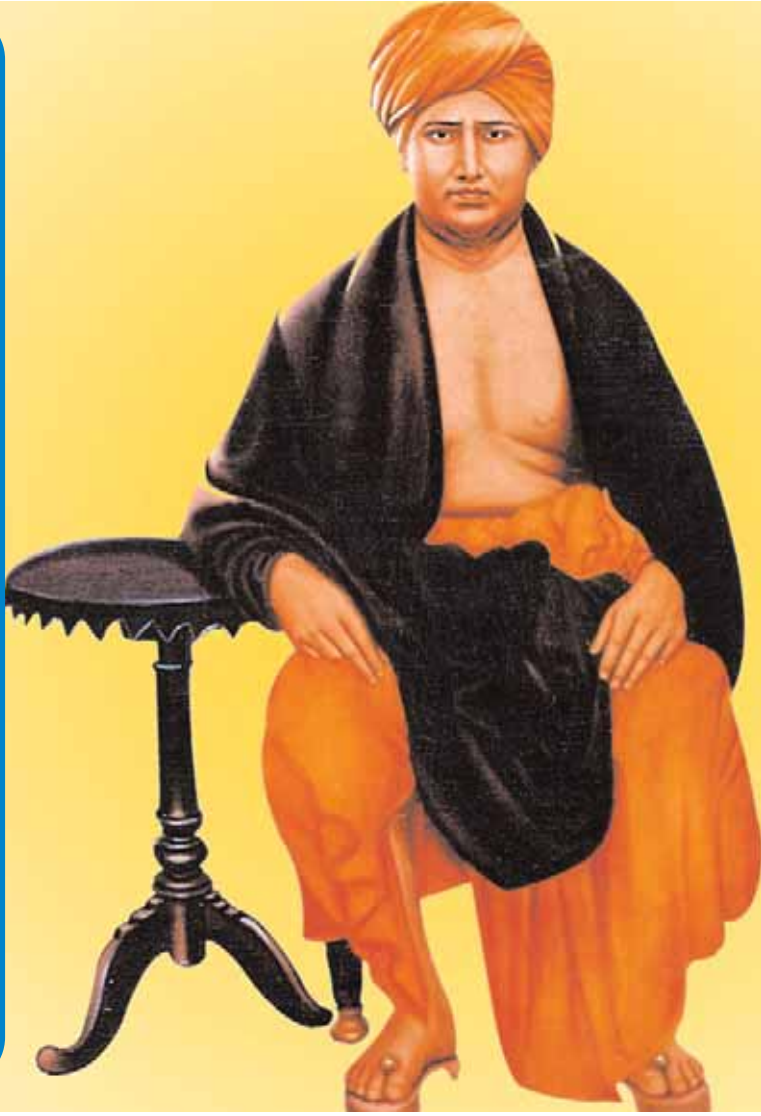
उनके जीवन में ऐसी बहुत सी घटनाएँ हुईं, जिन्होंने उन्हें हिन्दू धर्म की पारम्परिक मान्यताओं और ईश्वर के बारे में गंभीर प्रश्न पूछने के लिए विवश कर दिया। एक बार शिवरात्रि की घटना है। तब वे बालक ही थे। शिवरात्रि के उस दिन उनका पूरा परिवार रात्रि जागरण के लिए एक मन्दिर में ही रुका हुआ था। सारे परिवार के सो जाने के पश्चात् भी वे जागते रहे कि भगवान शिव आर्येण और प्रसाद ग्रहण करेंगे। उन्होंने देखा कि शिवजी के लिए रखे भोग को चूहे खा रहे हैं। यह देखा कर वे बहुत आश्चर्यचकित हुए और सोचने लगे कि जो ईश्वर स्वयं को चढ़ाये गये प्रसाद की रक्षा नहीं कर सकता वह मानवता की रक्षा क्या करेगा? इस बात पर उन्होंने अपने पिता से बहस की और तर्क दिया कि हमें ऐसे असहाय ईश्वर की उपासना नहीं करनी चाहिए।

आर्यावर्त को स्वंत्रता दिलाने के लिए मुम्बई में आर्य समाज की स्थापना की

आधुनिक भारत के महान चिन्तक- महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती

ज्ञान की खोज

फल्गुन कृष्ण संवत् 1895 में शिवरात्रि के दिन उनके जीवन में नया मोड़ आया। उन्हें नया बोध हुआ। वे घर से निकल पड़े और यात्रा करते हुए वह गुरु विरजानन्द के पास पहुंचे। गुरुवर ने उन्हें पाणिनी व्याकरण, पातंजल-योगसूत्र तथा वेद-वेदांग का अध्ययन कराया। गुरु दक्षिणा में उन्होंने मांगा-विद्या को सफल कर दिखाओ, परोपकार करो, सत्य शास्त्रों का उद्धार करो, मत मतांतरों की अविद्या को मिटाओ, वेद के प्रकाश से इस अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करो, वैदिक धर्म का आलोक सर्वत्र विकीर्ण करो। यही तुम्हारी गुरुदक्षिणा है। उन्होंने आशीर्वाद दिया कि ईश्वर उनके पुरुषार्थ को सफल करे। उन्होंने अंतिम शिक्षा दी-मनुष्यकृत ग्रंथों में ईश्वर और ऋषियों की निंदा है, ऋषिकृत ग्रंथों में नहीं। वेद प्रमाण है। इस कसौटी को हाथ से न छोड़ना।



स्वराज्य के प्रथम सन्देशवाहक



स्वामी दयानन्द सरस्वती को सामान्यतः केवल आर्य समाज के संस्थापक तथा समाज-सुधारक के रूप में ही जाना जाता है। राष्ट्रीय स्वतन्त्रता के लिए किये गए प्रयत्नों में उनकी उल्लेखनीय भूमिका की जानकारी बहुत कम लोगों को है। वस्तुस्थिति यह है कि पराधीन आर्यावर्त (भारत) में यह कहने का साहस सम्भवतः सर्वप्रथम स्वामी दयानन्द सरस्वती ने ही किया था कि ऋआर्यावर्त (भारत), आर्यावर्तियों (भारतीयों) का है। हमारे प्रथम स्वतन्त्रता समर, सन् 1857 की क्रान्ति की सम्पूर्ण योजना भी स्वामी जी के नेतृत्व में ही तैयार की गई थी और वही उसके प्रमुख सूत्रधार भी थे।



क्रान्ति की विमर्श

स्वामी दयानन्द सरस्वती ने हरिद्वार पहुँच कर वहाँ एक पहाड़ी के एकान्त स्थान पर अपना डेरा जमाया। वहीं पर उन्होंने पाँच ऐसे व्यक्तियों से मुलाकात की, जो आगे चलकर सन् 1857 की क्रान्ति के कर्णधार बने। ये पाँच व्यक्ति थे नाना साहेब, अजीमुल्ला खाँ, बाला साहेब, तात्या टोपे तथा बाबू कुंवर सिंह। बातचीत काफी लम्बी चली और यही पर यह तय किया गया कि फ़िर्गी सरकार के विरुद्ध सम्पूर्ण देश में सशस्त्र क्रान्ति के लिए आधारभूमि तैयार की जाए और उसके बाद एक निश्चित दिन सम्पूर्ण देश में एक साथ क्रान्ति का बिगुल बजा दिया जाए।

आर्य समाज की स्थापना



ओ3म को आर्य समाज में ईश्वर का सर्वोत्तम और उपयुक्त नाम माना जाता है महर्षि दयानन्द ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा संवत् 1932 (सन् 1875) को गिरगांव मुम्बई में आर्यसमाज की स्थापना की। आर्यसमाज के नियम और सिद्धांत प्राणिमात्र के कल्याण के लिए है। संसार का उपकार करना इस समाज का मुख्य उद्देश्य है, अर्थात् शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति करना। वेदों को छोड़ कर कोई अन्य धर्मग्रन्थ प्रमाण नहीं है - इस सत्य का प्रचार करने के लिए स्वामी जी ने सारे देश का दौरा करना प्रारम्भ किया और जहाँ-जहाँ वे गये प्राचीन परम्परा के पण्डित और विद्वान उनसे हार मानते गये। संस्कृत भाषा का उन्हें अगाध ज्ञान था। संस्कृत में वे धाराप्रवाह बोलते थे। साथ ही वे प्रचण्ड तार्किक थे।

उन्होंने ईसाई और मुस्लिम धर्मग्रन्थों का गंभीर-भाति अध्ययन-

मतों में व्याप्त बुराइयों का खण्डन किया है वह भी अपनी बुद्धि के हिसाब से है। उनके समकालीन सुधारकों से अलग, स्वामीजी का मत शिक्षित वर्ग तक ही सीमित नहीं था अपितु आर्य समाज ने आर्यावर्त (भारत) के साधारण जनमानस को भी अपनी ओर आकर्षित किया। सन् 1872 ई. में स्वामी जी कलकत्ता पधारे। वहाँ देवेन्द्रनाथ ठाकुर और केशवचन्द्र सेन ने उनका बड़ा सत्कार किया। ब्राह्मो समाजियों से उनका विचार-विमर्श भी हुआ किन्तु ईसाइयत से प्रभावित ब्राह्मो समाजी विद्वान पुनर्जन्म और वेद की प्रामाणिकता के विषय में स्वामी से एकमत नहीं हो सके। कहते हैं कलकत्ते में ही केशवचन्द्र सेन ने स्वामी जी को यह सलाह दे डाली कि यदि आप संस्कृत छोड़ कर आर्यभाषा (हिन्दी) में बोलना आरम्भ कर दें तो देश का असीम उपकार हो सकता है। ऋषि दयानन्द को स्पष्ट रूप से हिंदी



मन्थन किया था। अतएव अपने चेलों के संग मिल कर उन्होंने तीन-तीन मोर्चों पर संघर्ष आरंभ कर दिया। दो मोर्चों तो ईसाइयत और इस्लाम के थे किन्तु तीसरा मोर्चा सनातनधर्मी हिन्दुओं का था। दयानन्द ने बुद्धिवाद की जो मशाल जलायी थी, उसका कोई जवाब नहीं था। मगर सत्य यह था कि पौराणिक ग्रंथ भी वेद आदि शास्त्र में आते हैं।

स्वामी प्रचलित धर्मों में व्याप्त बुराइयों का कड़ा खण्डन करते थे। सर्वप्रथम उन्होंने उसी हिंदु धर्म में फैली बुराइयों व पाखण्डों का खण्डन किया, जिस हिंदु धर्म में उनका जन्म हुआ हुआ था, तत्पश्चात् अन्य मत-पंथ व सम्प्रदायों में फैली बुराइयों का विरोध किया। इससे स्पष्ट होता है वे न तो किसी के पक्षधर थे न ही किसी के विरोधी नहीं थे। वे केवल सत्य के पक्षधर थे, समाज सुधारक थे व सत्य को बताने वाले थे। स्वामी जी सभी धर्मों में फैली बुराइयों का विरोध किया चाहे वह सनातन धर्म हो या इस्लाम हो या ईसाई धर्म ही। अपने महाग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश में स्वामीजी ने सभी

नहीं आती थी। वे संस्कृत में पढ़ते-लिखते व बोलते थे और जन्मभूमि की भाषा गुजराती थी इसलिए उन्हें हिंदी अर्थात् आर्यभाषा का विशेष परिज्ञान न था (देखें, सत्यार्थ प्रकाश द्वितीय संस्करण की भूमिका)। तभी से स्वामी जी के व्याख्यानों की भाषा आर्यभाषा (हिन्दी) हो गयी और आर्यभाषी (हिन्दी) प्रान्तों में उन्हें अगणित अनुयायी मिलने लगे। कलकत्ते से स्वामी जी मुम्बई पधारे और वहीं 10 अप्रैल 1875 ई. को उन्होंने 'आर्य समाज' की स्थापना की। मुम्बई में उनके साथ प्रार्थना समाज वालों ने भी विचार-विमर्श किया। किन्तु यह समाज तो ब्राह्मो समाज का ही मुम्बई संस्करण था। अतएव स्वामी जी से इस समाज के लोग भी एकमत नहीं हो सके।

मुम्बई से लौट कर स्वामी जी इन्द्रप्रस्थ (दिल्ली) आए। वहाँ उन्होंने सत्यानुसन्धान के लिए ईसाई, मुसलमान और हिन्दू पण्डितों की एक सभा बुलाई। किन्तु दो दिनों के विचार-विमर्श के बाद भी लोग किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुँच सके।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया



आकर विराजो

आकर विराजो जग-कंठ में विनती सुनो बागेश्वरी। निष्प्राण होते उर 'अधर' को, दो शब्द - मधु प्राणेश्वरी। हो ज्ञान-पिंगल दाहिनी माँ! सर्वज्ञ हो सर्वेश्वरी। युग-शिशु निहारे मुख तुम्हारा, हे शुचि सुमुख अखिलेश्वरी। निसर्ग का सौन्दर्य असीम है अनन्त है। प्रेम के स्वरूप का प्रतीक यह वसन्त है। - शुभा शुक्ला मिश्रा 'अधर'

मुझ पे हैं सैकड़ों

मुझ पे हैं सैकड़ों इल्जाम मेरे साथ न चल। तू भी हो जाएगा बदनाम मेरे साथ न चल। तू नई सुबह की सूरज की है उजली सी किरन। मैं हूँ एक धूल भरी शाम मेरे साथ न चल। अपनी खुशियाँ मुझ पर कुर्बान न कर। मुझ से मत माँग मेरा नाम मेरे साथ न चल। - कमलकांत डोंगरे

ख़ास पानी। मुझे सुकून कि जरूरत है

मकाश बोल पाती आंखें हमारी तो यकीनन यही कहती, सोने दो मुझे इक अंतराल के लिए मुझे सुकून कि जरूरत है, मैं सोना चाहती हूँ! नहीं है मुझ में सामर्थ्य कि मैं सहती रहूँ तुम्हारी मनमानियाँ, चिपकी रहूँ समोबाइल से देखती रहूँ शैतानियाँ मुझे भी पसंद है अंधेरे डसते हैं कभी मुझे ये उजाले थक जाती हूँ मैं बोल नहीं पाती हाँ रोना चाहती हूँ, सोने दो मुझे इक अंतराल के लिए मैं सोना चाहती हूँ। ना थकाओ मुझे इतना कि मैं शक्तिहीन हो जाऊँ भविष्य में तुम्हारे किसी काम ना आऊँ मुझे भी बहुत पसंद हैं सुरोभिषत धरा ये खिलती कलियाँ ये फूल नजारे खोकर दृष्टि में नहीं खोना चाहती हूँ सोने दो मुझे इक अंतराल के लिए मैं सोना चाहती हूँ।

- किरन भण्डारी

गाय दुहने के समय दूध की

गाय दुहने के समय दूध की पहली धार जब पात्र से टकराती है तो वह ध्वनि तीक्ष्ण पर अकेली होती है। फिर पात्र के क्रमशः भरते जाने से जो एक संगीत पैदा होता है वह मंद और मध्य षड्ज के बीच ही रहता है। तार सप्तक से बिलकुल परहेज। भरे तार तक पहुँच ही नहीं पाते।



दिल्ली के ठग के बारे में ये कोई

दिल्ली के ठग के बारे में ये कोई नई बात नहीं है कुर्सी के लिये ये कुछ भी कर सकता है, पहले शाहीन बाग, फिर दिल्ली दंगे, फिर फर्नी किसान आंदोलन में इसकी भूमिका, ये सब इस धूर्त शाहिर दिमाग की ही कारस्थानी ही थी ये दिल्ली का ठग आतंकवादी से भी दो कदम आगे है। - विजय पाण्डेय



दिल इबादत की दरगाह है... और मुहब्बत उस दरगाह की इबादत

दिल इबादत की दरगाह है... और मुहब्बत उस दरगाह की इबादत। यह पाक रिश्ता खुदा का, बंदो को नयाब सौगात है। दिल से मुहब्बत के मुबारक पल सलाम...यह रूह से रूह की रवानगी का सबब है।

- मीनू चौहान

अब तो तकरार माने लगे हैं

अब तो तकरार माने लगे हैं खूफ़ को प्यार जताने लगे हैं। गाए नगमे, गीत भी मिलन के फूलों के सेज पे फिर्माने लगे हैं। पूल, तितली व धौरे हैं इकट्ठे मोहब्बत में आज इतराने लगे हैं। हाथों की मेहंदी रंगते सर पे मधुमास बसन्त आने लगे हैं प्रीत से प्रीत अंतर्मन सजीली तन मन ज्वलन्त लुभाने लगे हैं। गाल गुलाबी, नयन शराबी से लफ़्जों में मधुरस महकाने लगे हैं। चलो जी भर के मदमस्त हो जाएँ एहसास भी ऐसे कि मुस्कुराने लगे हैं। - सुरेश वैष्णव



तुम यूँ चमको जूँ क्षितिज पे दिनकर आस नयी इक लाता है

तुम यूँ चमको जूँ क्षितिज पे दिनकर आस नयी इक लाता है, नभ आँखड़ा लेकर तम से जग में प्रकाश फैलाता है! तुम यूँ महको, नव-भोर में कलियाँ खिलकर पुष्प बनें जैसे, रंगों की छटाएँ बदल-बदल हर पल नव-रूप धरें जैसे!! तुम यूँ चहको, वृक्षों की शाखाँ पर पाखी गुँजे जैसे, मन के संतूर पे नव-वसंत के सुर ?? लय में थिरकें जैसे मेरे प्रेम की सरिता बहती है निबाँध तुम्हारी ओर प्रिये, जूँ दिग्-दिग्गत महके है प्रीत तुम्हारी संध्या-भोर प्रिये। - डॉ कविता माथुर

QUIZ TIME

- 1) मंगल ग्रह पर एक रोवर को लैंड कराने वाला विश्व का दूसरा देश कौन-सा है?
- 2) 'सुपर प्लावर ब्लड मून' के नाम से जाना जाने वाला चन्द्रग्रहण कब दिखाई दिया?
- 3) 1 जून 2021 की स्थिति के अनुसार कोविड-19 बीमारी से बचाव हेतु भारत में कौन-सी वैक्सीन लगाई गयी?
- 4) हाल ही में सेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय की सहायता से कहीं पर कांटम कंप्यूटिंग प्रयोगशाला और अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र की स्थापना की?
- 5) भारतीय मूल के किस शतरंज खिलाड़ी ने दुनिया के सबसे युवा वाइडमास्टर बन गए हैं?

Ramaquiz



1) मंगल ग्रह पर एक रोवर को लैंड कराने वाला विश्व का दूसरा देश कौन-सा है? 2) 'सुपर प्लावर ब्लड मून' के नाम से जाना जाने वाला चन्द्रग्रहण कब दिखाई दिया? 3) 1 जून 2021 की स्थिति के अनुसार कोविड-19 बीमारी से बचाव हेतु भारत में कौन-सी वैक्सीन लगाई गयी? 4) हाल ही में सेना ने राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय की सहायता से कहीं पर कांटम कंप्यूटिंग प्रयोगशाला और अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केंद्र की स्थापना की? 5) भारतीय मूल के किस शतरंज खिलाड़ी ने दुनिया के सबसे युवा वाइडमास्टर बन गए हैं?

आज का इतिहास

नई दिल्ली 1707 : मुगल शासक औरंगजेब का अहमदनगर में निधन हुआ। 1710 : जोहान विलेम प्रिंसे ग्रेनिंगन को नीदरलैंड का वाइसराय बनाया गया। 1737 : प्रंस के वित्त मंत्री चौबेलिन ने इस्तीफा दिया। 1745 : जेकोबिक सैनिकों ने फोर्ट ऑगस्टस, स्कॉटलैंड पर कब्जा कर लिया। 1768 : पहली अमेरिकी चार्टर्ड फरर बीमा कंपनी खुली। 1792 : डाक सेवा अधिनियम, संयुक्त राज्य डाकघर विभाग की स्थापना, राष्ट्रपति जॉर्ज वॉशिंगटन द्वारा हस्ताक्षर किए गए। 1810 : टाइरोलियन विद्रोही नेता एडिंघास हॉपर को निष्पादित किया गया। 1811 : ऑस्ट्रिया को दिवालिया घोषित किया गया। 1827 : इटुजिंगो की लड़ाई (पेसो दो रोजारियो) में ब्राजील के इंपीरियल आर्मी के एक दल ने अर्जेंटीना-उरुग्वेयन सैनिकों से

युद्ध में भाग लिया। 1846 : अंग्रेजों ने लाहौर पर कब्जा किया। 1868 : अमृत बाजार पत्रिका का पहला साप्ताहिक अंक बंगाली में प्रकाशित हुआ। 1869 : टेनेसी के गवर्नर डब्ल्यू सी ब्राउनलो ने कु क्लक्स क्लान संकट में मार्शल लॉ की घोषणा की। 1872 : मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट का उद्घाटन न्यूयॉर्क शहर में किया गया। 1873 : कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय ने अपना पहला मेडिकल स्कूल खोला। 1915 : सैन फ्रांसिस्को ने पनामा-प्रशांत अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। 1921 : चेकोस्लोवाकिया की युवा कम्युनिस्ट लीग की स्थापना हुई। 1947 : ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लेमेंट अटली ने घोषणा की कि ब्रिटेन 30 जून 1948 तक भारत को छोड़ देगा।

अपने विभाग की जानकारी के साथ मौजूद रहने का आदेश

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने राज्य शासन के विभागों के सचिवों को निर्देश दिये हैं कि आगामी विधानसभा सत्र के दौरान अधिकारी अपने विभाग की जानकारी के साथ मौजूद रहें।

विधानसभा में अपने विभाग के मुद्दों का भली भाँति अध्ययन करे एवं विधानसभा में प्रस्तुत की जाने वाली जानकारी प्रमुख सचिव संसदीय कार्य विभाग को अनिवार्य रूप से दें। मुख्य सचिव ने कहा कि जानकारी की एक प्रति मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव कार्यालय में भेजे।

अपने विभाग की जानकारी के साथ मौजूद रहने का आदेश

मुख्य सचिव ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विधानसभा के



आगामी सत्र की तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने विभाग के ध्यानाकर्षण, स्थान, प्रश्न काल, शून्य काल इत्यादि के प्रश्नों की पूरी तैयारी करें।

मुख्य सचिव ने सभी विभागों के प्रशासकीय प्रतिवेदन विधान सभा

में समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। इस संबंध में भी संसदीय कार्य विभाग को जानकारी उपलब्ध कराने कहा गया है। जिन अधिकारियों की ड्यूटी विधानसभा में लगाई गई है वे निर्धारित तिथियों में आवश्यक जानकारी के साथ मौजूद रहें।

विधानसभा सत्र के दौरान अवकाश स्वीकृत न किया जाये। बैठक में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव आलोक शुक्ला और मनोज कुमार पिंगुआ सहित विभिन्न विभागों के सचिव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बैठक में

भाजपा को छत्तीसगढ़ में कानून का राज रास नहीं आ रहा- कांग्रेस’

विष्णु देव साय के बयान पर कांग्रेस ने की कड़ी आपत्ति

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय के बयान पर कड़ा ऐतराज करते हुए कहा है कि भाजपा को छत्तीसगढ़ में कानून का राज रास नहीं आ रहा। छत्तीसगढ़ में कोई भी अपराधी कानून के शिकंजे से बच नहीं सकता। किसी भी अपराध का आरोपी जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाता है। भाजपा सरकार के समय यही छत्तीसगढ़ अपराधियों का अभयारण्य बन गया था। बाहरी अपराधी आकर वारादत्तों को अंजाम देते थे और पकड़े नहीं जाते थे।

प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक से लेकर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय सहित सारे भाजपा नेता तब निलंज्ज हो जाते हैं जब सार्वजनिक जीवन में उनके नेता पुलिस, राजनीतिक विरोधियों से गली गलोज करतें हैं और अनुसूचित जाति के युवाओं के साथ मारपीट करते हैं। भाजपा का नया नारा है कि उसके नेता अपराध

करें तो लीला है। कवर्धा में अमन चैन बिगाड़ने के आरोपी सांसद तथा पूर्व सांसद के बचाव में ये राजभवन से लेकर स्पीकर तक पहुंच जाते हैं। इन्हें अपराध करने की छूट चाहिए, जो मिलने वाली नहीं है।



प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के आरोप का जवाब देते हुए कहा कि जगदलपुर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में मिली मां, बेटे की लाश के मामले की पुलिस गंभीरता से जांच पड़ताल कर रही है तथा अपराधी जल्द पकड़े जायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कानून व्यवस्था बिगाड़ने का काम करती है। भाजपा अध्यक्ष विष्णु देव साय कानून व्यवस्था पर व्यर्थ की राजनीति न करें। पुलिस को अपना काम करने दें। दुरअसल भाजपा का सारा ध्यान अराजकता फैलाने दोगे फ साद भड़काने तथा गुंडगर्दी करने कराने में ही लगा रहता है। भाजपा पुलिस का मनोबल गिराने का काम करती है। विष्णुदेव साय यह याद रखें कि अब छत्तीसगढ़ पुलिस राजनीतिक मोहरा नहीं है। अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने वाली सक्षम पुलिस है।

एक्सपर्ट्स ने स्कूलों में दुर्घटनाओं को रोकने विभिन्न पहलुओं पर की व्याख्या

रायपुर/फरवरी। स्कूलों में आपदा प्रबंधन के तहत संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बिना समय गवाएं तत्काल प्राथमिक उपचार की व्यवस्था और बचाव के उपाय की जानकारी होना जरूरी है।

घर और स्कूल पहुंचकर तुरंत प्रयास करेंगे

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के अतिरिक्त संचालक डॉ. योगेश शिवहरे ने बीएड कॉलेज रायपुर में शाला सुरक्षा एवं व्यक्तिगत सुरक्षा विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण के समापन पर कहा कि यह प्रशिक्षण तभी सफल हो जब

हम अपने संभावित ऐसी दुर्घटनाएं जिन पर हमारा ध्यान नहीं जाता उन्हें रोकने में कम से कम एक प्रयास घर और स्कूल पहुंचने के



तत्काल बाद करेंगे। प्रशिक्षण में आपदा प्रबंधन एवं व्यक्तिगत सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं को मॉकड्रिल के माध्यम से बताया गया। प्रशिक्षण में राज्य के सभी जिलों से 125 प्रतिभागी शामिल हुए।

समय बर्बाद किए बिना त्वरित प्राथमिक चिकित्सा के तरीके: प्रशिक्षण में संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बिना समय गवाएं तत्काल प्राथमिक उपचार किए जाने के तरीके बताए गए। गैस सिलेण्डर फ टने, आग लगने पर, बाल शोषण, शारीरिक शोषण इत्यादि के संबंध में जानकारी दी। सतत विकास लक्ष्य के बिन्दुओं के बारे में भी बताया गया प्रतिभागियों को योग प्रशिक्षण भी दिया गया। यूनिसेफ की ओर से सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण मॉड्यूल पेनड्राइव में उपलब्ध कराया गया।

गिरफ्तार व्यक्ति के कानूनी, मौलिक एवं संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सभी स्तरों पर सुनिश्चित हो

7 वर्ष 2022 की प्रथम कार्यशाला का किया गया आयोजन

रायपुर। जिला न्यायालय परिसर मे जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविन्द कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार अग्रवाल की उपस्थिति में नालसा की योजना, गिरफ्तारी पूर्व, गिरफ्तारी के समय एवं रिमांड स्तर पर गिरफ्तार व्यक्तियों के विधिक अधिकार के संबंध में कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस वर्ष की प्रथम कार्यशाला में जिले के समस्त थाना प्रभारी, विवेचक एवं न्यायाधीशगण उपस्थित थे ।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गिरफ्तार व्यक्तियों के अधिकारों के संरक्षण हेतु जागरूकता फैलाना एवं समस्त थानों में नालसा की योजना

का क्रियान्वयन प्रभावी तरीके से करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रायपुर अरविन्द कुमार वर्मा ने कहा कि नालसा द्वारा एक महत्वपूर्ण योजना संचालित की जा रही है। जिसमें अभियुक्त की अधिकारों को सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित की गई है। भारत का संविधान एवं कानूनी प्रावधान उपबंध करते है कि हर अभियुक्त की कानूनी, मौलिक एवं संवैधानिक अधिकार की सुरक्षा सभी स्तरों पर सुनिश्चित हो। इसके लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली द्वारा गिरफ्तारी पूर्व, गिरफ्तारी के समय एवं रिमांड स्तर पर गिरफ्तार व्यक्तियों के विधिक अधिकार के संबंध में वर्णित योजना के माध्यम से ऐसा किया गया है ।

ग्राम निलजा के लघु कृषक अब खेती के साथ ही मछली पालन की राह पर

7 आमदनी में बढ़ोतरी होने से परिवार में आई खुशहाली

रायपुर। रायपुर जिला के विकासखंड धरसीवा अंतर्गत ग्राम पंचायत निलजा के कृषक चोवाम वार्मा अब खेती के साथ-साथ मछली पालन भी करने लगे हैं। धरसीवा से 17 कि.मी की दूरी पर यह गांव स्थित है। जहां पर आवागमन के लिए प्रधानमंत्री सड़क योजना तथा लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित सड़क गांव तक जाती है। इसके पास ही कुरुद (सिलयारी) रेलवे स्टेशन स्थित है।



रायपुर। पेटल्स नवजात शिशु एवं बच्चों के अस्पताल की स्थापना 18 फरवरी 2018 में हुई विगत चार वर्षों से बच्चों की सेवा में पूरी टीम लगन व सेवाभाव से कार्यरत है। पेटल्स अस्पताल की खासियत है कि 24 घंटे प्रतिदिन वरिष्ठ बच्चों के डॉक्टरों के द्वारा ही बच्चों की देखभाल, जांच व ईलाज होता है। जटिल से जटिल समस्याओं का समाधान व ईलाज बहुत सफलता व विनम्रता से किया जाता है। अस्पताल के डायेक्टर हैं। पुजा धुपड , डॉ. अरूण कुमार, डॉ. कुलदीपक वर्मा पिछले 15 वर्षों से बच्चों के सेवा में कार्यरत है। गंभीर से गंभीर मरीज, नवजात शिशु व बच्चों की किसी भी प्रकार की सर्जरी का इलाज पेटल्स में तत्परता व उच्चकोटी की सुविधाओं के साथ किया जाता है। अस्पताल में डेंगु, कोरोना की महामारी के दौरान भी अनेक बच्चों की जान बचाई नवजात शिशु की गहन चिकित्सा इकाई में समय से पूर्व जन्मे शिशु कम वजन के शिशु की उच्च तकनीक व मशीनों द्वारा इलाज कर जान बचाई जाती है। हमारा उद्देश्य समाज में स्वस्थ बच्चे रहे, अस्पताल में माताओं का खास, बच्चों की देखभाल के लिए प्रशिक्षण किया जाता है। जन्म के बाद ढेर से रोये बच्चों का अल्ट्राधुनिक मशीन ब्पजपबववस द्वारा ब्रेन में होने वाले नुकसान को रोका जाता है। शिशुओं के आंख, कान की जांच व मानसिक विकास हेतु विशेष ओपीडी को संचालन किया जाता है। बच्चों की गहन चिकित्सा इकाई में फेफड़ों, निमोनिया, हार्ट की तकनीक, किडनी की तकलीफ व अन्य शरीर की कोई भी समस्याओं का उच्च तकनीक द्वारा इलाज किया जाता है। आहार नली का बंद होने पर आने वाली तकलीफ से पीड़ित बच्चों की सर्जरी की इलाज, जिसमें बचने की संभावना मात्र 18 प्रतिशत होती है। उन सभी शत प्रतिशत शिशुओं की जान बचाई गई एमरजेंसी जैसे सांस की नली में बीज का फसना, ब्रेन ट्यूमर भ्रूतज थ्रसनमत, धड़कन से तकलीफ होना जैसी बीमारी से प्रसीत बच्चों के जान बचाई गई है। हमारी टीम का खासियत है सभी वरिष्ठ चिकित्सक हमेशा मौजूद रहते हैं। प्रशिक्षित स्टाफ उच्च कोटी की मशीने की सुविधायें व सर्जरी विभाग, विशेष ओपीडी का संचालन जैसे की बच्चे की हार्मोस संबंधित बीमारियों, पेट व लिवर किडनी रोग, रक्त रोग जैसे सिकलिंग व थालेसिमिया की विशेषज्ञ ओपीडी हर महिने बाहर से वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा की जाती है।

विस् अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर किया नमन

रायपुर। छग विपस अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत ने छत्रपति शिवाजी महाराज की की जयंती पर किया नमन। डॉ महंत ने कहा कि, जब कभी मराठ साम्राज्य की बात आती है तो सबसे पहले शिवाजी महाराज का नाम सामने आता है. शिवाजी महाराज मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे. वीर शिवाजी एक बहादुर, बुद्धिमान और निडर मराठा शासक थे. शिवाजी एक धर्मपरायण हिन्दू शासक थे तथा वह धार्मिक सहिष्णु भी थे. शिवाजी महाराज एक बेहतरीन योद्धा ही नहीं बल्कि एक बुद्धिमान शासक भी थे. उन्होंने मराठा साम्राज्य में जाति भेद खत्म कर दिया था. भारत में छत्रपति शिवाजी ने सर्वप्रथम नौसेना का निर्माण किया था. शिवाजी के सत्कर्मों की बदौलत उन्हें छत्रपति की उपाधि मिली।



प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोहित शर्मा बने ...

को मिली है। टी20 सीरीज के बाद दो मैच की टेस्ट सीरीज भी खेली जाएगी। पहला टेस्ट 4 मार्च से मोहाली में तो दूसरा टेस्ट 12 मार्च से बैंगलोर में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट डे नाइट टेस्ट होगा।

अवध, लखनऊ फिर...

अच्छ नहीं रहा था। पार्टी को 20 में से सिर्फ 6 सीटें पर जीत मिली थी। इस बार सपा प्रमुख अखिलेश यादव कल्याण से विधानसभा चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा पीएसपी प्रमुख शिवपाल भी जसवंतनगर सीट से उम्मीदवार हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि चाचा-भतीजे का यह गठजोड़ पार्टी के पारंपरिक गढ़ में सपा को मजबूती दिलाकर सत्ता में वापसी का रास्ता तैयार करेगा। उधर, अगर बीजेपी यादवलैंड में हारती है तो उसे बुंदेलखंड के दक्षिणी इलाकों- झांसी, जालौन और ललितपुर जैसे जिलों में इस नुकसान की भरपाई करनी होगी।

बुंदेलखंड में बरकरार रहेगा बीजेपी का प्रभाव? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंचाई और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए भारी निवेश के वादों के साथे

में बीजेपी ने पिछले चुनाव में इस क्षेत्र की 19 सीटों पर जीत हासिल की थी। हालांकि, यह पूरा इलाका बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) का गढ़ रहा है। ऐसे में यहां बीजेपी, एसपी और बीएसपी के बीच त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिल सकता है। हालांकि, बीजेपी यहां पर ज्यादा मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है।

पशु तस्करी के सरगना ...

राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करते हुए वस्तुओं को स्थानांतरित करने के लिए सीमाओं का इस्तेमाल किया। यह भी कहा था कि उसकी रिहाई का राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है।

वैक्सीन लगवाने के 90 ...

बड़ी तादाद के लिए बूस्टर की आवश्यकता की मांग भी जोर पकड़ सकती है। डब्ल्यूएचओ ने दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि बूस्टर डोज लगाने जाने का बहुत सीमित खंडा ही अभी उपलब्ध है।

सामाजिक सरोकारों में सहभागिता

भाग सिकिल सेल रोग से पीड़ित है। सामाजिक सरोकारों की यह प्रमुख चिंता है। यह जन्मजात, जानलेवा रोग बड़ी संख्या में अनुसूचित जनजाति समाज में पाया जा रहा है। राज्य सरकार ने रोग के

उपचार और प्रबंधन के ठोस प्रयास किए हैं। इन्हें और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सबका साथ और प्रयास जरूरी है। रोग सर्वेक्षण का कार्य तीव्र गति से हो, इसके लिए विश्वविद्यालयों को भी आगे आकर सहयोग करना चाहिए।राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और शिक्षा प्रणाली में भारत की परंपरा, विरासत, सांस्कृतिक मूल्यों, ज्ञान और कौशल विकास में समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया है। नीति की सफलता के लिए विश्वविद्यालय परिसर का वातावरण विद्यार्थी मूलक, विद्यार्थियों की मौलिकता को ब?ने, नवाचारों के लिए प्रेरणा और प्रोत्साहन देने वाला होना जरूरी है। विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ग्रहण कर, अपनी क्षमता, योग्यता से देश को आत्म-निर्भर बनाने में योगदान देने में सक्षम हों। ग्रामीण, पिछड़े क्षेत्रों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और वंचित वर्गों तक डिजिटल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया के लाभ पहुंचाने में सहयोगी हो। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि शिक्षा, समाज को सुव्यवस्थित और सुसंगठित बनाने का प्रकल्प है। उन्होंने कहा कि सुव्यवस्थित शिक्षा के लिए शिक्षा संस्थान का सुगठित और सुसंकल्पित होना जरूरी है।

सरकार की मंशा शहरों

के मुश्किल समय में उनकी सेवा सराहनीय है। मैं

दिल्ली से इंदौर के सफाईकर्मियों को प्रणाम एवं नमन करता हूँ। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर की जनता ने देवी अहिल्या की प्रेरणा को खोने नहीं दिया है। आज भी देवी अहिल्या के बताए मार्ग पर चलकर इंदौर प्रगति कर रहा है। वाराणसी के विश्वनाथ मंदिर में देवी अहिल्या की भव्य प्रतिमा हमें उनके अमूल्य योगदान की याद दिलाती है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर के विकास में पूर्व सांसद श्रीमती सुमित्रा महाजन ंताई का योगदान सराहनीय है। उन्होंने इंदौर को नई ऊंचाई दी है। वर्तमान सांसद श्री शंकर लालवानी भी उन्हीं के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि आने वाले 2 वर्षों में देश के 75 बड़े नगरीय निकायों में इस प्रकार के गोबर-धन बायो सीएनजी प्लांट बनाने पर काम किया जा रहा है। यह अभियान भारत के शहरों की स्वच्छ बनाने, प्रदूषण रहित बनाने, क्लीन एनर्जी की दिशा में बहुत मदद करेगा। अब तो शहरों में ही नहीं बल्कि देश के गाँव में भी हजारों की संख्या में गोबर-धन बायोगैस प्लांट लगाए जा रहे हैं। इनसे हमारे पशुपालकों को गोबर से भी अतिरिक्त आय मिलनी शुरू हुई है। हमारे गाँव देहात में किसानों को बेसहारा जानवरों से जो दिक्रत होती है, वह भी इस तरह के गोबर-धन प्लांट होने से कम हो जाएगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि इंदौर के प्लांट से सीएनजी तो मिलेगी ही इसके अलावा 100 टन

जेम से नहीं ई-मानक पोर्टल सेप्स से होगी सरकारी खरीदी

7 कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को जारी किए निर्देश

रायपुर। प्रदेश सरकार के निर्णय के अनुसार अब सभी विभागों में शासकीय खरीदी राज्य के ई-मानक पोर्टल सेप्स से ही हो सकेगी। राज्य सरकार के उद्योग विभाग ने पहले ही जेम पोर्टल से खरीदी की तिथि 31 मार्च 2021 निर्धारित की थी और निर्धारित तिथि बाद जेम पोर्टल से खरीदी नहीं करने के निर्देश दिए थे। इस संबंध में समय-समय पर उद्योग विभाग द्वारा भी शासकीय विभागों को पत्र लिखकर जानकारी दी जा चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष में शासन ने सरकारी खरीदी की तिथि 28 फरवरी तय कर दी है। इसी परिपेक्ष्य में कलेक्टर सौरभ कुमार

ने सभी जिला अधिकारियों को राज्य के ई-मानक पोर्टल 222.५६श्रद्धा.५६.५५१.६ट्रु से ही सरकारी उपयोग के लिए सामग्री खरीदने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने शासन के निर्देशों का हवाला देते हुए विभागोंय अधिकारियों को जेम पोर्टल से खरीदी नहीं करने के निर्देश भी दिए हैं।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ शासन के भण्डार क्रय नियमों की सूची में शामिल वस्तुओं की खरीदी सीएसआईडीसी द्वारा निर्धारित दरों व शर्तों के आधार पर राज्य के ही आनलाइन पोर्टल से करना अनिवार्य किया गया हैं। इसके साथ ही जेम पोर्टल द्वारा खरीदी की प्रक्रिया को सभी विभाग प्रमुखों को 31 मार्च 2021 तक पूरा करने के निर्देश भी दिए गए थे।

